लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं .*140

28 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र और परिधान क्षेत्र में रोजगार

***140. डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत के वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर-पूर्व क्षेत्र में वस्त्र क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) वस्त्र उद्योग में हथकरघा उत्पादों की प्रतिशतता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) हथकरघा कामगारों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 28.07.2026 को डॉ. इन्द्रा हांग सुब्बा द्वारा पूछे जाने वाले लोकसभा के तारांकित प्रश्न संख्या *140 "वस्त्र और परिधान क्षेत्र में रोजगार" के उत्तर के संदर्भ में उल्लिखित विवरण।

(क): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान वस्त्र और परिधान क्षेत्र में कार्यरत अनुमानित रोजगार लगभग 4.91 करोड़ है। पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देशभर में वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए, सरकार ने समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना), राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीएमएम), पीएम-मेगा एकीकृत वस्त्र और अपैरल पार्क(पीएम-मित्र) योजना, उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना आदि जैसी विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू किया है।

(ख): आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र जिसमें अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में वस्त्र और अपैरल क्षेत्र में रोजगार लगभग 51.4 लाख है।

(ग): हथकरघा क्षेत्र भारत के वस्त्र उद्योग का एक अभिन्न अंग है तथा अपनी विकेन्द्रीकृत एवं घरेलू-आधारित उत्पादन प्रणाली के माध्यम से देश के वस्त्र (फैब्रिक) उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। वस्त्र आयुक्त कार्यालय के टेक्सटाइल स्टैटिस्टिकल रिटर्न सिस्टम (Textile Statistical Return System) पोर्टल पर कताई इकाइयों द्वारा प्रस्तुत मासिक आँकड़ों की प्रवृत्ति के आधार पर, देश के कुल वस्त्र (फैब्रिक) उत्पादन में हथकरघा क्षेत्र का योगदान लगभग 9.68 प्रतिशत है। देश में हथकरघा वस्त्र (फैब्रिक) के अनुमानित उत्पादन का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(घ): वस्त्र मंत्रालय देश भर में हथकरघा क्षेत्र के विकास और संवर्धन तथा हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए निम्नलिखित योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है:

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एन.एच.डी.पी.);
2. कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना (आर.एम.एस.एस.);

उपरोक्त योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा संस्थाओं/बुनकरों को कच्चे माल की उपलब्धता, उन्नत करघों और सहायक उपकरणों की खरीद, सौर प्रकाश इकाइयों की स्थापना, वर्कशैड के निर्माण, कौशल विकास, उत्पाद विविधीकरण और डिजाइन नवाचार, तकनीकी एवं साझा अवसंरचना के विकास, इंडिया हैंडलूम ब्रांड (आई.एच.बी.), हैंडलूम मार्क (एचएलएम) और भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग के माध्यम से प्रचार-प्रसार एवं ब्रांड विकास, ई-कॉमर्स सुविधाओं, देशीय एवं विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के विपणन, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और सामाजिक सुरक्षा आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अनुबंध-I

हथकरघा फैब्रिक उत्पादन *(मिलियन वर्ग मीटर)*				
वर्ष	**कॉटन**	**मिश्रित**	**100% नॉन-कॉटन**	**कुल**
2020-21	7004	86	710	7800
2021-22	7682	94	778	8554
2022-23	8426	103	854	9383
2023-24	9241	113	936	10290

स्रोत: वस्त्र आयुक्त कार्यालय के **टेक्सटाइल स्टैटिस्टिकल रिटर्न सिस्टम (TSRS)** के अंतर्गत पंजीकृत इकाइयों द्वारा प्रस्तुत मासिक सांख्यिकीय रिटर्न।

*****